

during the third quarter of the year 1961 and how many of those communications were replied to in Hindi and English respectively?]

कृषि उपमंत्री (श्री एम० बी० कृष्णप्पा) : २,०५३। ६६१ का उत्तर हिन्दी में श्रीर १३७ का उत्तर अंग्रेजी में भेजा गया। बाकी ६५५ के उत्तर देने की जरूरत नहीं थी।

†[THE DEPUTY MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI M. V. KRISHNAPPA): 2,053. 961 were replied to in Hindi and 137 in English. The remaining 955 called for no reply.]

स्वास्थ्य मंत्रालय में प्राप्त हिन्दी पत्र

२६३. श्री ए० सी० गिलबर्ट : क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि उनके मंत्रालय तथा उससे संलग्न कार्यालयों में १९६१ की तीसरी तिमाही में हिन्दी में कितने पत्र प्राप्त हुए और उनमें से कितने पत्रों का उत्तर हिन्दी में व कितनों का अंग्रेजी में दिया गया?

†[HINDI COMMUNICATIONS IN THE MINISTRY OF HEALTH

293. SHRI A. C. GILBERT: Will the Minister of HEALTH be pleased to state the number of communications received in Hindi in his Ministry and its attached offices during the third quarter of the year 1961 and how many of those communications were replied to in Hindi and English respectively?]

स्वास्थ्य मंत्री (श्री डी० पी० करमरकर) : इस अवधि में २५४ पत्र हिन्दी में प्राप्त हुये, जिनमें से २०४ का हिन्दी में तथा २६ का अंग्रेजी में उत्तर दिया गया। दूसरे पत्रों का उत्तर आवश्यक नहीं था।

†[THE MINISTER OF HEALTH (SHRI D. P. KARMARKAR): During the period in question, 254 communications were received in Hindi out of which 204 and 26 were replied to in Hindi and English respectively. Replies in other cases were not necessary.]

मेडिकल कालेजों के विद्यार्थियों द्वारा चिकित्सा का अभ्यास

२६४. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(ख) क्या कारण है कि समस्त भारत के मेडिकल कालेजों में विद्यार्थियों से अपने व्यावसायिक अध्ययन के प्रारम्भ से ही पांडिचेरी मेडिकल कालेज की भांति अस्पताल में अभ्यास नहीं कराया जाता है; और

(ख) क्या सरकार ने दोनों व्यवस्थाओं की विशेषतायें मालूम करने का प्रयत्न किया है; और यदि हां, तो क्या सरकार समस्त देश के सभी कालेजों में एक जैसी व्यवस्था लागू करने का विचार रखती है?

†[MEDICAL PRACTICES BY STUDENTS OF MEDICAL COLLEGES

294. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of HEALTH be pleased to state:

(a) the reasons why the students in the medical colleges all over India are not required to attend hospital practice from the very beginning of their professional studies as is the practice in the Pondicherry Medical College; and

(b) whether Government have made any efforts to find out the special features of the two practices; and if so, whether Government propose to introduce an uniform practice in all the colleges throughout the country?]